वार्तालाप-628, कलकत्ता, दिनांक 12.09.08
Disc.CD No.628, dated 12.09.08 at Kolkata
Part-1

समयः 00.07-04.32

जिज्ञासुः बाबा, मुरली में बोला बापदादा तुम बच्चों में प्रवेश करके सेवा करते हैं।

बाबाः ठीक है।

जिज्ञासुः बाप माने राम बाप, दादा माने बच्चा?

बाबाः सेवा करने वाला, प्रवेश करने वाली आत्मा साकार की है या निराकार की है? ये भी पूछने वाली बात है? या तो बापदादा की आत्मा प्रवेश करती है या तो शिवबाबा प्रवेश करते हैं।

जिज्ञासुर: शिवबाबा तो लेकिन मुकर्रर रथ है...।

बाबाः मुकर्रर रथ एक ही है। कोई बच्चा ये नहीं कह सकता कि मेरे अन्दर शिवबाबा आया। परन्तु बाप बताते हैं। इस बात का कोई प्रूफ नहीं किसी के पास कि शिवबाबा आया। वो सिर्फ तो एक मुकर्रर रथ का ही प्रूफ मिलेगा। बाकी बताया कि जो बच्चे सेवा की हिम्मत करते हैं, बच्चे नहीं समझाय पाते हैं, तो बाप बच्चों में प्रवेश करके मदद करते हैं। इससे कोई प्रवेश होने वाली मुकर्रर रथ की बात साबित नहीं हो जाती है, जो कोई बैठ करके डायरेक्शन देना शुरू कर दे। और न कोई मानेगा। क्योंकि बुद्धिमान बाप के बच्चे भी बुद्धिमान होते हैं। जो बुद्धिमान बच्चे हैं वो बिना प्रूफ और प्रमाण के कोई बात मानेंगे नहीं। हाँ, ये समझा जा सकता है कि आत्मायें तो तमोप्रधान है। तमोप्रधान आत्मा को अपनी ही रग लगी रहती है। 63 जन्मों के विकार भोगे हुए हैं। विकारी बुद्धि बनी हुई है। वो क्या सेवा करेंगे? इसीलिए बापदादा ही सेवा करते हैं बच्चों में।

Time: 00.07-04.32
Student: Baba, it has been said in the murli that Bapdada enters you children and does service.
Baba: It is correct.
Student: *Baap* (father) mean the father Ram and *Dada* means the children?
Baba: Is it the soul of the corporeal one or the incorporeal one that does service, that enters? Is it something to ask? Either the soul of BapDada enters or Shivbaba enters [the children].
Student: But Shivbaba is the permanent chariot...
Baba: The permanent chariot is only one. No child can say that Baba entered him. But the Father says [this]. Nobody has the *proof* of this thing that Shivbaba came [in someone]. You will find the *proof* for only the one permanent chariot. As for the rest , it was said that the children who show courage to do service, if the children are unable to explain, the Father enters the children and helps [them]. This does not prove the entrance [of Shiv] or [being] the permanent chariot so that someone may sit and start giving directions [to someone else]. Nor will anyone believe him because the children of the intelligent Father are also intelligent. The intelligent children will not believe anything without proof and evidence. Yes, it can be

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

understood that the souls are *tamopradhaan*[1]. *Tamopradhaan* souls are keen about only themselves. They have experienced vices for 63 births. The intellect has become vicious. What service will they do? This is why it is BapDada who do service [by entering] the children.

जिज्ञासुः लेकिन बाबा कृष्ण तो बच्चा बुद्धि है। बच्चा बुद्धि कृष्ण की आत्मा क्या सेवा करते हैं? वो खुद ही अभी शिवबाबा को गीता का भगवान नहीं मानते हैं।
बाबाः वो बच्चा बुद्धि है, लेकिन धारणावान है या नहीं है? (जिज्ञासु - धारणावान है।) धारणावान तो (है)। ज्ञान कोई बहुत सुनाए, बहुत ज्ञान बघारे, लेकिन ज्ञान बघारने के साथ-साथ अहंकार भी दिखाता जाए, तो ज्ञान का असर होगा? नहीं होगा।
जिज्ञासुः तो धारणा का वाणी चलाते हैं।
बाबाः गुल्ज़ार दादी में जो वाणी चलती है वो ज्ञान की वाणी चलती है या धारणा विशेष की वाणी चलती है? धारणा की वाणी चलती है।
जिज्ञासु: तो बच्चों में प्रवेश करके वो धारणा का प्वाइंट्स...
बाबा: धारणा का ज्ञान भी बाप दादा ही देते हैं। ज्ञान भी बापदादा ही देते हैं। सर्विस भी बापदादा ही कराते हैं। सिर्फ याद बच्चों को अपने तरीके से करना है।
जिज्ञासुः तो जो बोला हज़ार भुजा वाले ब्रह्मा का पार्ट चल रहा है...
बाबाः हाँ। तो हज़ार बच्चों में ही प्रवेश करते होंगे। जो बापदादा को सहयोग करेंगे, बापदादा उनको सहयोग करेंगे।
जिज्ञासुः तो कृष्ण वाली आत्मा एडवांस नालेज लेता है...?
बाबाः बाप है एडवांस ज्ञान देने वाला। कृष्ण की सोल एडवांस ज्ञान में खुद भी माहिर नहीं है अभी। वो बेसिक नॉलेज में माहिर है। धारणा की नॉलेज में माहिर है। वो देव आत्मा है।

Student: But Baba Krishna has a child like intellect. What kind of service does the soul of Krishna with a child like intellect do? He himself does not accept Shivbaba as the God of Gita at present.
Baba: He has a child like intellect, but is he virtuous (*dhaarnaavaan*) or not? (Student: He is virtuous.) He is certainly virtuous. If someone narrates knowledge at lot, speaks [words of] knowledge elaborately, but along with speaking [words of] knowledge if he also shows off ego then, will there be an effect of the knowledge [on the listener]? There will not be.
Student: So, he narrates words (*vaani*) of *dhaaranaa* (virtues).
Baba: As regards the *vaani* narrated through Dadi Gulzar, is it the *vaani* of knowledge or especially the *vaani* of *dhaaranaa*? *Vaani* of *dhaaranaa* is narrated.
Student: So, after entering the children, the points of virtues...
Baba: It is BapDada who give the knowledge of *dhaaranaa*, it is BapDada who give the knowledge and it is BapDada themselves who enable us to do service as well. It is only remembrance that the children have to do in their own way.
Student: So, it has been said that the part of Brahma with thousand arms is going on.
Baba: Yes. So, he will be entering thousand children only. Those who help BapDada will be helped by BapDada.

[1] Dominated by the quality of darkness or ignorance

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: So, the soul of Krishna obtains *advance knowledge*…
Baba: The Father is the giver of the *advance* knowledge. The soul of Krishna itself is not an expert in *advance* knowledge now. It is an expert in the *basic knowledge*. It is an expert in the *knowledge* of *dhaaranaa*. It is a deity soul.

समयः 04.40-06.18

जिज्ञासुः बाबा, बाबा ने बोला है अंत में एक ही विनाश देखेगा।

बाबाः अंत में एक ही विनाश देखेगा?

जिज्ञासुः एक ही आत्मा विनाश देखेगा।

बाबाः जब एक ही रह जाएगी तो विनाश होने की गुंजाइश रह जाएगी? जब एक ही रह जाएगा तो विनाश पूरा हो जाएगा।

जिज्ञासुः तब साढ़े चार लाख आत्मा कहाँ पे रहेगा बाबा? बर्फ में दबा के रहेगा तो उसका आत्मा कहाँ पे रहेगा? बाबा नारायण में रहेगा या परमधाम में चला जाएगा?

बाबाः जो आत्माएं विनाश के पीरियड में शरीर छोड़ती जाती है, वो सूक्ष्म वतन में निवास करेंगे। इकट्ठी होती रहेंगी।

जिज्ञासुः बाबा, सूक्ष्मवतन कहाँ होगा बाबा?

बाबाः सूक्ष्म स्टेज हो जाएगी। कोई की सज़ा खाके सूक्ष्म स्टेज हो जाएगी। देह भान निकल जाएगा। देहभान होता है स्थूल, आत्मा अभिमान शुद्ध होता है सूक्ष्म। तो कोई की सज़ा खाकरके आत्मा सूक्ष्म बनेगी। कोई की याद की स्टेज से बन जाएगी। जिनकी याद की स्टेज से आत्मा सूक्ष्म बनेगी उनको सूक्ष्म वतन में ज्यादा समय रहने की दरकार नहीं पड़ेगी। सूक्ष्म वतन माने ऊँची स्टेज।

Time: 04.40-06.18
Student: Baba, Baba has said that only one will see the destruction in the end.
Baba: Only one will see the destruction in the end?
Student: Will only one soul see the destruction?
Baba: When only one [soul] will be left, will there be any more scope for destruction? When [only] one [soul] will be left, the destruction will be complete.
Student: Baba, where will the four and a half lakh souls (450 thousand) reside then? If they are buried in ice, where will their souls be? Will Baba be in Narayan or will He go to *Paramdhaam* (the Supreme Abode)?
Baba: The souls which leave their body at the time of destruction will reside in the subtle world. They will keep gathering there.
Student: Baba, where will the subtle world exist?
Baba: They will attain a subtle *stage*. Some will attain the subtle *stage* after suffering punishments. Their body consciousness will be removed. Body consciousness is physical; soul consciousness is pure, [it is] subtle. So, souls of some will become subtle after suffering punishments [and] some will become [subtle] through the *stage* of remembrance. Those whose souls become subtle through the *stage* of remembrance will not have to stay longer in the subtle world. Subtle world means a high .

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समयः 06.20-07.05

जिज्ञासुः बाबा, एडवांस नॉलेज शिव बाप और राम वाली आत्मा बच्चों में प्रवेश करके देते हैं और कृष्ण बच्चा बेसिक नॉलेज की सेवा करते हैं। ठीक है ना।

बाबाः बोलो, आगे बोलो। अरे! बैठ भी गए! ☺

Time: 06.20-07.05

Student: Baba, the Father Shiva and the soul of Ram enters the children and gives the advance knowledge and child Krishna does the service of [giving] the basic knowledge. It is correct, isn't it?

Baba: Speak up. Speak up further. *Arey*! You sat down! ☺

समयः 07.11-13.35

जिज्ञासुः बाबा, दिलवाड़ा मन्दिर में 108 जो यादगार है बच्चों का, वो हम बच्चों का ही यादगार है 108 का और उसमें 108 के अंदर एक कमरा में वैष्णवी देवी को भई दिखाया। लेकिन वैष्णवी देवी तो विजयमाला का मणका है। और 108 जो हैं वो तो रुद्र माला का 108 है। जो काला कोठरी है जिसमें काला देव बैठे हैं उसके साईड में महाकाली है। फिर 108 रूम बना हुआ है बाहर। उसमें वैष्णवी देवी का यादगार है। सफेद मूर्ति दिखाया।

बाबाः माने वैष्णवी देवी वाली आत्मा अभी एडवांस ज्ञान ले रही होगी या नहीं ले रही होगी? विश्वास भले न करे। उस सर्विस फील्ड पर भले न आये, जैसे और ब्रह्माकुमार-कुमारियाँ चोर बाज़ारी कर रही हैं, एडवांस नॉलेज चारों ओर फैल रही है, ऐसे वो भी नॉलेज ले रही होगी या नहीं ले रही होगी? फैसला करने में टाइम लगता है। कोई जज ऐसे होते हैं - जल्दी फैसला कर देते हैं, कोई जज ऐसे होते हैं सारी जिंदगी लगा देते हैं फैसला ही नहीं कर पाते।

Time: 07.11-13.35

Student: Baba, the memorial of 108 [souls] in the temple of Dilwara is a memorial of us children only, of the 108 [souls] and in that [temple] in one of the 108 rooms Vaishnavi *Devi* has also been depicted. But Vaishnavi Devi is a bead of the *Vijaymaalaa* (the rosary of victory) and the 108 [idols] are the 108 [souls] of the *Rudramaalaa* (the rosary of Rudra). There is a dark room where the dark deity (*Kala Dev*) is sitting. Then next to it is [the idol of] Mahakali (a goddess). Then, there are 108 rooms outside [the dark room]. There is a memorial of Vaishnavi Devi in it. A white idol has been shown.

Baba: It means, will the soul of Vaishnavi *Devi* be obtaining the advance knowledge or not now? It doesn't matter if she not believes it. It doesn't matter if she doesn't come on that *service field*; just as the other Brahmakumar-kumaris are smuggling [the gems of advance knowledge], [just as] the advance knowledge is spreading everywhere, similarly will she also be obtaining the knowledge or not? It takes time to take a decision. Some judges deliver judgment quickly; some judges spend the entire life, but are unable to decide.

जिज्ञासुः जो बाकी जो यादगार है बाबा बाहर में जो सब साढ़े चार लाख का यादगार है?

बाबाः कभी 108 की मूर्तियाँ बता रहे, अभी साढ़े चार लाख कहाँ से आ गए?

जिज्ञासुः नहीं बाबा, 108 तो कोठरी है, एक-एक कोठरी में एक-एक बैठा हुआ है।

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः एक-एक कोठरी में एक-एक नहीं बैठा हुआ है। डबल-डबल बैठे हुए हैं। ध्यान से देखो जाके। और साथ में दो बच्चे भी बैठे हुए हैं। जब संपन्न स्टेज में राजधानी स्थापन होगी तो जो विष्णु रूप बनने वाले हैं उन चारों आत्माओं का संस्कार मिलकरके एक हो जाएगा या नहीं हो जाएगा? तो वो एक कोठरी हो गई। माँ-बाप भी हैं और बच्चे भी हैं। रुद्र माला भी है और विजयमाला भी है, और फिर उनके साथ-साथ सतयुग में जन्म लेने वाली आत्माएं भी बैठी हुई हैं। पूरा परिवार है एक-एक कोठरी में। (जिज्ञासु - एक-2 आत्मा का, एक-2 बीज का।) हाँ, जी।

जिज्ञासुः और बाबा बाहर में जो है चारों ओर देवताएं उड़ रहे हैं, चारों तरफ बाहर में जो देवताएं उड़ रहे हैं? (बाबाः उड़ रहे हैं?) उड़ रहे हैं ऊँची स्थिति में...।

बाबाः वो तो छत में दिखाए गए हैं देवताएं। (जिज्ञासु - हाँ, हाँ।) छत में जो दिखाए गए हैं वो ऊँची स्टेज की यादगार है।

Student: Baba, are the remaining memorials outside [the 108 rooms in Dilwara temple] the memorials of four and a half lakh [souls]?
Baba: Sometimes you speak of 108 idols; where did four and a half lakh emerge from now?
Student: No Baba, there are 108 rooms; each one is sitting in each room.
Baba: One [deity] each is not sitting in each room. *Double, double* [two] are sitting. Go and look carefully. And two children are also sitting along with them. When the capital is established in the complete *stage*, will the *sanskaars* of the four souls who are going to become the forms of Vishnu combine and become one or not? So, they form one room. There are parents as well as children. There is the *Rudramaalaa* as well as *Vijaymaalaa* and along with them the souls who are born in the Golden Age are also sitting. There is an entire family in each room. (Student: Of each soul, of each seed [form soul].) Yes.
Student: And Baba, what about the deities who are flying all around? What about the deities who are flying all around outside? (Baba: Flying?) They are flying means they are in a high stage…
Baba: They are the deities shown on the ceiling. (Student: Yes, yes.) Those who have been depicted on the ceiling are the memorials of a high *stage*.

जिज्ञासुः उसमें क्या सिर्फ 16000 है ना साढ़े चार लाख प्रजा भी है?

बाबाः ऊँची स्टेज में प्रजा भी होगी। पहले जनम की प्रजा होगी। ज्ञानी तू आत्माओं की प्रजा होगी। कनवर्ट वाले नहीं होंगे प्रजा। प्रजावर्ग की आत्माओं की भी कोई खसूसियत होगी पहले जनम की। जो और जनम की प्रजा में वो खसूसियत नहीं होगी। इसलिए बोला है कि अभी जो एडवांस में आ रहे हैं उनको वरदान मिला हुआ है कि पूरा का पूरा परिवार ज्ञान में चलेगा। जब बाप की प्रत्यक्षता हो जाएगी तब ऐसा आवाज़ चले।

जिज्ञासुः बाबा, दिलवाड़ा माने क्या? दिल को बढ़ाने वाला?

बाबाः दिलवाड़ा माने एक-एक का दिल लेने वाला, कितना तन अर्पण करता है, फिर कितना वापस लेता है? कितना धन अर्पण करता है, फिर कितना वापस लेता है? कितना धन अर्पण करता है, फिर वापस लेता है? लेता है या नहीं लेता है। कितना परिवार के कुटुम्ब के सदस्य अर्पण करता है, फिर उनको वापस लेता है या नहीं लेता है? तन,मन, धन, समय, संपर्क,

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

संबंधी, कितना-कितना अपना करते हैं और कहाँ तक अर्पण करते हैं। और फिर अर्पण करने के बाद कहाँ तक वापस लेते हैं या वापस लेने की बात करते हैं, वो एक-एक की दिल लेता है। पूरी परीक्षा होती है।

जिज्ञासुः बाबा दिलवाड़ा मन्दिर, मेरा अपना अनुभव बोल रहा है, सभी को जाके देखना चाहिए। हमारा ही यादगार है। हम जब वहाँ थे तो बार-बार देखने का मन करता था, जाए और देख के आए। उससे अपना स्टेज भी अच्छा बनता है।

Student: Do they include only 16000 or do they include four and a half lakh subjects?
Baba: There will subjects as well in the high *stage*. They will be the subjects of the first birth. They will be the subjects who are knowledgeable souls. They will not be the subjects who convert. There will be a specialty of the souls of the subject category too of the first birth. The subjects in the other births will not have that specialty. This is why it has been said that those who are entering the path of advance knowledge now have received a boon that their entire family will follow the knowledge. When the Father is revealed, it is then that such a voice will spread.
Student: Baba, what is meant by Dilwada? The one who promotes *dil* (heart)?
Baba: Dilwada means the one who takes (checks) the heart of each one. [He checks:] to what extent does someone dedicate his body and then to what extent does he take it back? How much wealth does he offer and then [how much does] he take it back? Does he take it back or not? How far does he offer the members of the family and then does he take them back or not? How much do they offer their body, mind, wealth, time, contacts, and relatives and to what extent do they offer it and after offering to what extent do they take them back or talk about taking them back? He takes (checks) the heart (*dil*) of each one. Complete examination takes place.
Student: Baba, I am telling my experience that everyone should go and see the Dilwada temple. It is the memorial of our *tapasyaa* (intense meditation). When we were there, we felt like going there (to the temple) and seeing it again and again. It also makes improves our stage.

Part-2

समयः 13.34-16.19

जिज्ञासुः बाबा, अचलगढ़ है, अचलगढ़ में आठ मूर्तियाँ हैं, अष्ट देव का है। उसमें एक मूर्ति है सफेद है और एक चन्दन जैसा है, चन्दन का कलर। लाल एण्ड सफेद।

बाबाः चन्दन का पेड़ लाल भी होता है, चन्दन का पेड़ सफेद भी होता है। (जिज्ञासु - लाल जैसा है।) जो लाल होता है वो लाल रगं रजोप्रधानता का सूचक है। जैसे झण्डे में लाल रंग दिखाया जाता है। सफेद सतोप्रधानता का सूचक है। बाप का पार्ट स्थापना का भी है, पालना का भी है और विनाश का भी है। तीन मूर्तियों के द्वारा पार्ट बजाता है। तो विनाश क्रोध से होता है या सामान्य अवस्था में होता है? (जिज्ञासु - क्रोध में।) क्रोध लाल रंग का होता है या सफेद होता है? (सभी ने कहा - लाल।) लाल रंग का होता है। आँखें भी लाल हो जाती हैं।

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः और अचलगढ़ में जो 24 अवतार को दिखाया। उसमें चार का कलर दिखाया। दो का नीला दिखाया दो का काला दिखाया। और बाकी जो 20 है वो सफेद, दूसरा कलर का दिखाया है। चार जो है कि नष्ट देव हैं?

बाबाः उनको सफेद रंग दिखाएंगे नष्ट देव को? (जिज्ञासु - विधर्मी हैं।) चार मुख्य धर्म हैं, उन चार मुख्य धर्मों की चार मुख्य बीज आत्माएं हैं। चारों बीजों में दो स्वधर्मी हैं, और दो? विधर्मी हैं। दो ब्रह्मचर्य को तरजीह देने वाले हैं। और इस्लाम और क्रिश्चियन? ब्रह्मचर्य का नाश कराने वाले हैं। व्यभिचार का पोषण करने वाले हैं। इसलिए काला रंग दिखाया हुआ है।

Time: 13.34-16.19

Student: Baba, there is Achalgarh [temple in Mount Abu]. There are eight statues of the eight deities (*ashta dev*) in Achalgarh. Among them one idol is white and one is like sandalwood; it has the colour of sandalwood. Reddish white.

Baba: The sandalwood trees are red as well as white. (Student: It is reddish.) The red colour is an indicator of *rajopradhaanataa*[2]. For example, red colour is shown in the flag [of India]. The white colour is an indicator of *satopradhaanataa*[3]. The Father plays a part of establishment as well as sustenance and destruction too. He plays these parts through the three personalities. So, is destruction caused through anger or does it take place in an ordinary condition? (Student: In anger.) Is the colour of anger red or white? (Everyone said: Red.) It is red in colour. The eyes also become red [in anger].

Student: And in Achalgarh the 24 incarnations that have been shown, among them four are shown to be coloured. Two have been shown to be blue and two are black. And the remaining 20 are white, are of different colour. Are these four [coloured ones] the *nasht dev*?

Baba: Will they, the *nasht dev* be depicted in white colour? (Student: They are *vidharmis*.) There are four main seed form souls of the four main religions. Among the four seeds, two are *swadharmis*[4] and two *vidharmis*[5]. Two (*swadharmis*) give importance to *Brahmacarya* (celibacy). And Islam and Christian [souls] are the ones who destroy *brahmacarya*. They promote adultery (*vyabhicaar*). This is why the black colour has been depicted.

समयः 16.22-18.11

जिज्ञासुः बाबा, जो दिलवाड़ा मन्दिर है, कितना साल लगा है बनाने में? शिवबाबा को तो पता होगा ना?

बाबाः राजा भीमदेव हज़ार वर्ष पहले उन्होंने मोहरें बिछा करके दिलवाड़ा की जमीन खरीदी थी। उस समय रुपैया सोने का होता था। उसको मोहर कहते थे। राजा को स्वप्न आया और स्वप्न में उन्होंने साक्षात्कार किये दिलवाड़ा बाप के। उससे प्रभावित होकरके उन्होंने दिलवाड़ा में वो जमीन खरीदी और दिलवाड़ा मन्दिर बनवाया। सोमनाथ मन्दिर बनता है द्वापर के आदि में। दिलवाड़ा मन्दिर बनता है कलियुग के आदि में। (जिज्ञासुः राजा भीमदेव राजस्थान का राजा था...।) भीमदेव? माना वो हिस्ट्री में पृथ्वीराज चौहान की कहानी नहीं बनाई है, उपन्यास बना दिया।

---

[2] the stage where there is dominance of the quality of activity or passion
[3] the stage consisting in the quality of goodness and purity
[4] those belonging to the Father's religion
[5] those belonging to a religion other than the Father's religion

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

दूसरा जिज्ञासुः राजा भीमदेव प्रजापिता था क्या?
बाबाः इसका क्या प्रूफ है?

Time: 16.22-18.11
Student: Baba, how many years did it take to build the Dilwara temple? Shivbaba must be aware of it, will He not?
Baba: King Bhimdev had purchased the land of Dilwara by covering the land with coins. At that time the rupee used to be of gold. They used to be called *mohar* (coins). The king had a dream and he had the vision of the Dilwara Father in the dream. He was influenced by it and purchased the land of Dilwara and built the temple of Dilwara. Somnath temple is built in the beginning of the Copper Age. Dilwara temple is built in the beginning of the Iron Age. (Student: King Bhimdev was the king of Rajasthan...) Bhimdev? It means, they haven't written the story of Prithviraj Chauhan in *history*; they have written a novel.
Second student: Was King Bhimdev Prajapita?
Baba: What is the *proof*?

समयः 18.13-20.20
जिज्ञासुः बाबा, ये जो अचलगढ़ है ना वो अचलगढ़ में दत्तात्रेय का यादगार है। (बाबा - तो?) दत्तात्रेय। (बाबा - हाँ।) और ऊपर में घण्टा रखा गया। सबसे ऊपर में। घण्टा है ना। किसका यादगार है?
बाबाः घण्टा जगाने की यादगार होती है। मन्दिर में जाते हैं तो घण्ट बजाते हैं। हे देवी-देवताओं, सो रहे हो तो जग जाओ। हम आ रहे हैं। दत्तात्रेय तो यादगार है ही तीन का दिया हुआ। त्रेय माना तीन। और दत्ता माने दिया हुआ। कौन हैं तीन जिनका दिया हुआ है दत्तात्रेय? तीन देवताओं की औलाद है। यज्ञ के आदि में पहले-पहले कौनसी मूर्तियाँ थीं, जिन मूर्तियों के साथ शिवबाबा आता है इस धरती पर? यही ब्रह्मा, विष्णु, शंकर। उस समय गुणों को धारण करने वाला दत्तात्रेय नहीं था उन मूर्तियों में। उसकी पैदाइश होती है बाद में। जो सबसे गुण धारण करता है, किसी के अवगुण? नहीं देखता। और उसके आस-पास कुत्तों का झुंड दिखाया जाता है। कौन हुए कुत्ते? इस्लामी और क्रिश्चियंस।

Time: 18.13-20.20
Student: Baba, there is a memorial of Dattatrey in Achalgarh. (Baba: So?) Dattatrey. (Baba: Yes.) And a big bell has been placed at the top [of the mountain called Guru Shikhar]. There is bell, isn't there? Whose memorial is it?
Baba: A bell is a memorial of waking up [someone]. When people go to the temple they ring the bell [thinking:] O Deities! Wake up if you are asleep. We are coming. And Dattatrey is a memorial of having been given by three. *Trey* means three and *Datta* means given. Who are the three who have given by Dattatrey? He is the child of the three deities. Who were the first three personalities in the beginning of the *yagya* with whom Shivbaba comes on this earth? They are these Brahma, Vishnu and Shankar themselves. At that time Dattatrey, who imbibes the virtues wasn't included among those personalities. He is born later on. The one who imbibes virtues from everyone; and does not see anybody's bad traits . And a group of dogs is shown around him. Who are the dogs? The people of Islam and the Christians.

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समयः 20.41-22.46

जिज्ञासुः काशी करवट...।

बाबाः काशी करवट खाना एक है स्थूल काशी। वो है यादगार। और संगमयुग में है चैतन्य काशी। काशी का अर्थ है काश्य का स्थान। काश्य माने तेज। याद के तेज का स्थान है। जहाँ परमात्मा की संगठित याद का तेज भरा हुआ है। इसलिए भक्तिमार्ग में मान्यता है काशी में जाके मरेंगे ऐसे वातावरण में तो स्वर्ग में जाएंगे। ये मान्यता कहाँ तैयार हुई? संगमयुग में तैयार हुई। देहभान से मरने की बात है। भक्तिमार्ग में तो देह को खांडे से काटकरके गला अलग कर देते हैं। यहाँ आत्मा को अलग और देहभान को अलग करने की बात है। दुनिया से संसर्ग-संपर्क टूट जाता है। नष्टोमोहा स्मृतिलब्धा। एक शिवबाबा दूसरा न कोई। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) काशी नगरी क्या? (दूसरा जिज्ञासु - नगरी का मतलब? काशी नगरी।) नगर रहने के स्थान को कहा जाता है।

Time: 20.41-22.46

Student: *Kashi karvat…*

Baba: *Kashi karvat khaanaa*[6]… one is physical Kashi. That is a memorial. And in the Confluence Age there is living Kashi. Kashi means a place of *kaashya* (luster). *Kaashya* means luster. It is the place of luster of remembrance. The place which is full of the luster of collective remembrance of the Supreme Soul. This is why it is believed in the path of *bhakti* that if they go and die in Kashi, in such an atmosphere [of Kashi], then they will go to heaven. When was this belief created? It was created in the Confluence Age. It is about dying from body consciousness. In the path of *bhakti*, they cut the body with a sword and separate the head [from the lower body]. Here, it is about separating the soul and body consciousness. The connection and contact with the world breaks. [We become] *nashtomoha smritilabdhaa*[7]. One Shivbaba and no one else. (Student said something.) What *Kashi nagari*? (Another student: What is meant by *nagari*? *Kashi Nagari*.) *Nagar* means a place to live.

समयः 22.50-25.09

जिज्ञासुः बाबा, साढे चार लाख बच्चे माउंट आबू में जाके तपस्या करेंगे। तो अभी माउंट आबू में रहने वाले जो हैं उनमे से जो ज्ञान नहीं लेंगे। वो क्या ऊपर से नीचे आ जाएंगे?

बाबाः साढे चार लाख जो होंगे वो सारे रुद्र माला के मणके होंगे या उनमें विजयमाला भी होगी? (सभी ने कहा - विजयमाला भी होगी।) वो भूल गया।

जिज्ञासुः वो नही बोल रहा हूँ, जो ज्ञान नहीं लेंगे अंत तक?

बाबाः माउंट आबू की बात तुमने की।

जिज्ञासुः वो पहाड़ में जो है, आबू पहाड़, पूरा पहाड़ की बात हम बोल रहे। दुनिया वाले।

बाबाः भाग जाएंगे। वो अभी भी भाग रहे हैं। सारा माउंट आबू ही खरीद करना पड़ेगा। उनको उसका क्या महत्व है?

जिज्ञासुः माना बाबा का बच्चों का ही राज चलेगा।

---

[6] to accept the saw at Benaras (a pilgrimage place in Uttar Pradesh)

[7] conquering all kinds of attachment and regaining the awareness of the self and the Father

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः राज कहाँ से आ गया? वहाँ तपस्या भूमि है। वहाँ भी जाके राज करोगे? 63 जन्म के राजाई के संस्कार भूलते ही नहीं हैं।

Time: 22.50-25.09
Student: Baba, four and a half lakh children will go to Mount Abu and do *tapasyaa*[8]. So, among those who are living in Mount Abu at present, will the ones who don't obtain knowledge come down?
Baba: Will all the four and a half lakh [souls] be the beads of *Rudramaalaa* or will the [souls of] the *Vijaymaalaa* also be present among them? (Everyone said: There will be *Vijaymaalaa* as well.) You forgot that.
Student: I am not saying about that. What about those who do not obtain knowledge till the end?
Baba: You spoke about Mount Abu .
Student: I am speaking about the entire mountain, the Mount Abu. The people of the world [there].
Baba: They will run away. They are running away even now. You will have to purchase the entire Mount Abu. There is no importance of it (Mount Abu) for them.
Student: It means that there will be the rule of only Baba's children.
Baba: How did the [topic] of ruling arise? It is the land of *tapasyaa* there. Or will you go and rule there as well? You don't forget the *sanskaars* of kingship of 63 births at all.

दूसरा जिज्ञासुः वो लोग जमीन बेच-बेच के चले जाएंगे क्या?
बाबाः अभी नहीं जा रहे हैं बेच-बेच के? (जिज्ञासु - हाँ।) फिर?
दूसरा जिज्ञासुः अच्छा दाम मिलेगा तो बेच के चले जाएंगे।
बाबाः हाँ, वो पहाड़ी जमीन में कुछ पैदा ही नहीं हो रहा है। पानी का भी कोई इंतजाम नहीं है। दुनिया में, भारतवर्ष में तो खेती में वैसे भी कोई फायदा नहीं हो रहा है। पहाड़ की बंजर जमीन में तो फायदा होने का सवाल ही नहीं। एक बोरिंग कराने में लाख, दो लाख खर्च होता है।

Second student: Will those people sell the land and go away?
Baba: Are they not selling and going now? (Student: Yes.) Then?
Second student: If they get a good amount [for the land], they will sell it and go away.
Baba: Yes, nothing is being cultivated in that mountainous land at all. There is no arrangement of water either. No benefit is being gained in agriculture in the world, in the land of India anyway. There is no question of gaining benefit in the barren land of mountains at all. Drilling of one bore well involves an expenditure of a lakh or two lakh [rupees].

समयः 25.19-26.27
जिज्ञासुः बाबा माँ दुर्गा की जो स्थिति पूजते हैं उसमें असुर को खड़ा दिखाते हैं। महिषासुर। (बाबा - कोई भी हो।) और नीचे में एक भैंस को शरीर अलग दिखाते हैं और मुंड भी अलग

[8] intense meditation

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

दिखाते हैं। असुर खड़ा दिखाते हैं वो रावण के पुरूष रूप का यादगार है और नीचे मे जो भैंस है वो क्या...।

बाबाः असुरों के साथ भैंस बुद्धि होंगे या सालिम बुद्धि होंगी? असुर बनता ही आसुरी संग करने से। भैंस बुद्धियों का संग करने से ही तो असुर बने। धारणावान कन्याओं-माताओं का संग किया हो तो असुर क्यों बनें?

Time: 25.19-26.27
Student: Baba, the position in which Mother Durga (a goddess) is worshipped, they show a demon standing. Mahishasur. (Baba: It may be anyone.) And below, a buffalo with a different body and head is shown. Is the demon who is standing the memorial of the male form of Ravan and the buffalo shown below is the Ravan's...
Baba: Will the demons have a buffalo like intellect or a mature intellect? Someone becomes a demon only because of being in demonic company. They became demons only because of being in the company of those with a buffalo like intellect. Why will they become demons if they remain in the company of virtuous virgins and mothers?

समयः 26.35-27.57

जिज्ञासुः आगे चलकर कितने बच्चे हड्डियाँ स्वाहा करेंगे?

बाबाः जो सर्विसेबुल होंगे वो सर्विसेबुल बच्चे ऊँच पद पाने वाले होंगे। और ऊँच पद पाने वाले कितने होंगे? हँ? अरे ऊँच पद पाने वालों की संख्या कितनी होगी? पद पावेंगे, प्रजा पद नहीं। प्रजा को कोई पद नहीं होती है। (जिज्ञासु - 108) ब्रह्मा की हजार भुजाएं कहाँ चली जावेंगी? हँ? (जिज्ञासु - हजार 108?) हाँ, जी। ऊँचे-ऊँचे राज्याधिकारी भी तो राज्य करते हैं। राज काज राजा ज्यादा चलाता है या प्रधानमंत्री ज्यादा चलाता है? प्रधानमंत्री के हाथ में सारा राज काज रहता है। है राज्य अधिकारी। वो पद पाने वाला हुआ या नहीं हुआ? वो भी पद पाने वाला कहा जाता है।

Time: 26.35-27.57
Student: How many children will sacrifice every bone [in service] in future?
Baba: Those who are serviceable, such serviceable children will be the ones who attain a high post. And how many will achieve a high post? *Arey*, what will be the number of those who achieve a high post? They will achieve a post; [it is] not the post of subjects. Subjects don't have a status post. (Student: 108.) And where will the thousand arms of Brahma go? (Student: 1108?) Yes. Holders of high royal posts also rule. Does a king manages the administration more or does the Prime Minister manage it more? The entire administration remains in the hands of the Prime Minister. [Even though] he is a royal officer. So, is he the one who achieves a post or not? He is also called the one who achieves a post.

समयः 28.05-30.45

जिज्ञासुः बाबा.....रूहानी बच्चे रूहानी बाप को....मीठे-मीठे बच्चे, रूहानी बाप रूहानी बच्चों को, कौन किसको बोलते है?

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः रूहानी बाप कौन है और जिस्मानी बाप कौन है? अरे रूहानी बाप कौन है जिस्मानी बाप कौन है? (जिज्ञासु - रूहानी बाप शिवबाबा।) रूहानी बाप शिव। और बेहद का जिस्मानी बाप कौन? प्रजापिता। तो रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते। देह अभिमानी बच्चों को रूहानी बाप झुकता नहीं है। नमन नहीं करता। और बापदादा का यादप्यार गुडमार्निंग। बापदादा को रूहानी कहें या जिस्मानी कहें? बाप कौन और दादा कौन? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) जिसके साथ दादा जुड़ा हुआ है। माना बडा भाई। तो साबित होता है कि बड़ा भाई तभी होगा जब बाप होगा साकार में। तो साकार में हुआ राम बाप और दादा हुआ कृष्ण बच्चा। ब्रह्मा बाबा। ये बाप दादा हो गए। रूहानी बाप का नमस्ते मिलता है। वो है ओबिडियेंट सर्वेन्ट बनके कार्य करने वाला। बापदादा यादप्यार देते हैं। गुडमार्निंग करते हैं क्योंकि शिव बाप तो मार्निंग में आवेगा या नहीं आवेगा? सतयुग रूपी मार्निंग में शिव बाप तो मौजूद ही नहीं होंगे। बापदादा ही मौजूद होंगे। बापदादा का यादप्यार गुडमार्निंग।

Time: 28.05-30.45
Student: Baba...spiritual children to the spiritual father….sweet, sweet children; spiritual father to the spiritual children...who says this to whom?
Baba: Who is the Spiritual Father and who is the physical father? *Arey*, who is the Spiritual Father and who is the physical father? (Student: Spiritual Father is Shiva.) The Spiritual Father is Shiva. And who is the unlimited physical father? Prajapita. So, Spiritual Father's *namaste* (greetings) to the spiritual children; the Spiritual Father does not bow before the body conscious children. He does not bow to them. And Bapdada's remembrance, love and good morning. Will Bapdada be called spiritual or physical? Who is *Baap* (father) and who is Dada? (Student said something.) The one with whom Dada is connected. It means elder brother. So, it proves that the elder brother will exist only when there is the father in corporeal form. So, the father Ram is the corporeal one and Dada is the child Krishna, Brahma Baba. These are *Baap* and Dada. You receivve *namaste* from the Spiritual Father. He is the one who works as an *obedient Servant*. And *Baap* and Dada give remembrance and love. They say *good morning* because will the Father Shiva come in the *morning* or not? The Father Shiva will not be present at all in the morning in the form of the Golden Age. Only BapDada will be present. [It is said] BapDada's remembrance, love and *good morning*.

Part-3

समयः 30.48-34.40

जिज्ञासुः बाबा, शेरनी का दूध माटी के पात्र में नहीं ठहरता है। सोना का बर्तन में ठहरता है। इसका क्लेरिफिकेशन क्या है?

बाबाः अभी तक ये ही क्लेरिफिकेशन नहीं मालूम। मिट्टी का पात्र माने मिट्टी में लगी रहने वाली बुद्धि रूपी पात्र। मिट्टी माने देहअभिमान। जिसका बुद्धि रूपी पात्र देह अभिमान की बातों में लगा रहे। देहअभिमान से कनेक्टेड जो इन्द्रियाँ हैं उन इन्द्रियों के भोगों में जिनकी बुद्धि लगी रहे वो है मिट्टी का पात्र। देह अभिमान को ही मिट्टी कहा जाता है। और जिसकी बुद्धि ज्ञान में लगी रहे, सेवा में लगी रहे, सेवा की प्लैनिंग में लगी रहे, नई दुनिया की बातों में

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

लगी रहे, वो है सोने की बुद्धि। सोने की दुनिया निर्माण करने वाली। मिट्टी के पात्र वाली बुद्धि नारकीय दुनिया बनाने वाली है। तो जो है ही नरक की दुनिया बनाने वाली बुद्धि उसमें शेरनी का दूध ठहरेगा क्या? भगवान का ज्ञान ठहरेगा? नहीं ठहरेगा। बुद्धि का लगाव है। कोई की बुद्धि का लगाव वैश्यालय लगाने में लगा हुआ है तो नरक का दरवाज़ा खोल के बैठ जाते हैं। कोई का बुद्धि का लगाव नरक की दुनिया में नहीं लगा हुआ है। सोने की दुनिया कैसे बनेगी, इसी में, इन्हीं बातों में लगी रहती है। कोई से लेन-देन करेंगे, ज्ञान की बातें करेंगे, तो भी बाबा की सुनाई हुई बातें करेंगे। बाबा की समझाई हुई बातें करेंगे। और दूसरी बातों का लेन-देन नहीं करेंगे झरमुई-झगमुई।

Time: 30.48-34.40
Student: Baba, the milk of lioness cannot be stored in a vessel of mud. It can be stored in golden utensil. What is its clarification?
Baba: Didn't you come to know the clarification of this till now? Vessel of mud means a utensil like intellect that remains engaged in soil. Soil means body consciousness. The one whose utensil like intellect remains busy in the topics of body consciousness, the people whose intellect remains engaged in the pleasure of the organs related to body consciousness are vessels of mud. Body consciousness itself is called soil. And the one whose intellect remains engaged in knowledge, in service, in the *planning* of service, in the topics of the new world is a golden intellect, [an intellect] which builds a golden world. An intellect which is like a mud vessel builds a hellish world. So, will the milk of a lioness remain stored in an intellect which creates a hellish world? Will God's knowledge remain stored in it? It will not. The intellect is attached. The intellect of some is attached, is busy in creating a brothel; they open the gateway to hell. The intellect of some is not attached towards the hellish world. It remains busy in only this topic: how the golden world will be established. If they interact with anyone, if they talk of knowledge, they will only talk about the topics narrated by Baba. They will talk about the topics explained by Baba. They will not exchange other topics of fights and quarrels.

इसलिए बोला शेरनी का दूध। जो ज्ञान दूध है शेर का नहीं कहा। किसका कहा? शेरनी का दूध। कौन है शेरनी? हँ? कौन है? (जिज्ञासु - ब्रह्मा बाबा।) हाँ। वास्तव में ये ब्रह्मा ही तुम्हारी जगदम्बा है। ये शेरनी के मुख से जो भी वेदवाक्य निकले हैं वो शेरनी का दूध है। ये महावाक्य सोने की बुद्धि में ठहरते हैं। जिनकी बुद्धि देहभान में, देहभान के कार्यों में लगी रहती है वो मिट्टी के पात्र में, मिट्टी की बुद्धि में, बुद्धि रूपी पात्र में, वो शेरनी का दूध ठहरता ही नहीं।

This is why it has been called milk of lioness. The milk of knowledge has not been called the milk of lion. Whose milk has it been called? Milk of lioness. Who is the lioness? Who is it? (Someone said: Brahma Baba.) Yes. Actually this Brahma himself is your Jagdamba. The sentences of Ved that have emerged from the mouth of this lioness (Brahma) is the milk of lioness. These great sentences remain stored in a golden intellect. The milk of lioness does not remain stored at all in the vessel of mud, intellect of mud, vessel like intellect of those whose intellect remains busy in body consciousness, in the tasks of body consciousness.

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समयः 34.48-36.20

जिज्ञासुः बाबा, कर्मेन्द्रियां बस में करने से आधा ईनाम मिल जाएगा। ईनाम क्या मिलाता है?
बाबाः आधा ईनाम? 21 जन्म के लिए तुमको ईनाम मिल जावेगा। कर्मेन्द्रियाँ कभी वशीभूत होंगे ही नहीं। कर्मेन्द्रियों के वशीभूत कभी नहीं बनेंगे। आत्मा का कंट्रोल रहेगा। ये ईनाम मिलेगा। और कर्मेन्द्रियाँ वशीभूत कैसे होती हैं? याद से वशीभूत होती हैं। किसकी याद से? (जिज्ञासु - एक बाप।) एक बाप दूसरा न कोई। औरों को याद किया तो वशीभूत नहीं होंगी। एक की याद में रहे। एक सेकण्ड भी अगर एक की याद ठहरी तो कर्मेन्द्रियों के ऊपर उसका असर जरूर पड़ेगा। और 24 घण्टे में कहीं आठ घण्टे लगातार याद रही तब तो बेड़ा पार ही हो जावेगा।

Time: 34.48-36.20
Student: Baba, we will get half the reward by controlling our *karmendriyaan*[9]. What reward do we got?
Baba: Half reward? You will get a reward for 21 births. The *karmedriyaan* will never be influenced at all. You will never come under the influence of the *karmedriyaan*. They will remain under the *control* of the soul. This is the reward that you will get. And how are the *karmendriyaan* controlled? They are controlled through remembrance. Through whose remembrance? (Student: The One Father.) One Father and no one else. If you remember others then they will not come under your control. You should remain in the remembrance of the One. If you remember the One even for a *second*, it will definitely have an effect on the *karmendriyaan*. And if there is remembrance continuously for eight hours out of the twenty four hours, the boat will certainly sail across.

समयः 36.25-38.33

जिज्ञासु: बाबा, माउंट आबू मे जो जानवर है बोलते है रात मे बाघ निकलते है रास्ते मे। तो हमलोग जब जयेंगे तो...
बाबाः ह्यूमन जानवरों से ज्यादा बच के रहना। क्या कहा? वहाँ ह्यूमन जानवर भी हैं खूंख्वार।
जिज्ञासुः और बोलते हैं कि दिलवाड़ा मन्दिर के आसपास में रात को बाघ निकलते हैं।
बाबाः पहले दिलवाड़ा मन्दिर के चारों ओर जंगल था। अभी तो बसाहट हो गई है। जहाँ स्ट्रीट लाईट जलती रहती है चारों ओर वहाँ जगंली जानवर नहीं आते हैं। अभी दिलवाड़ा मन्दिर के चारों ओर बेहद की लाईट भी चमकने लगी है।
जिज्ञासु ने कुछ कहा।
बाबाः हाँ, जी। चक्कर काट के आया है बन्दा।☺

Time: 36.25-38.33
Student: Baba, the animals in Mount Abu… it is said that animals like tiger come on roads in the night. So when we go there...

[9] parts of the body used to perform actions

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Be extra cautious against the *human* animals. What was said? There are dangerous *human* animals as well there.
Student: And people say that in the night, tigers come out in the area around the Dilwara Temple.
Baba: Earlier there was a forest all around the Dilwara Temple. Now there is a residential area. Wild animals do not come in the area where street lights are glowing everywhere. Now the unlimited light has also started glowing all around the Dilwara Temple.
Student said something.
Baba: Yes. This person has visited that place.☺

समयः 38.35-43.05

जिज्ञासुः बाबा, अभी जो साइन्टिस्ट्स बना रहे हैं.....टीवी में दिखा रहे हैं अभी....किसी को जब बोलने जाते हैं विनाश का तो वो बोलता है नया दुनिया जब बन रहा है तो विनाश कैसे होगा? सब तो हंस रहे है....टीवी में दिखा रहा है अभी। साइन्टिस्ट्स मिट्टी का नीचे मशीन दालके खोद के ....।

बाबाः मिट्टी के नीचे क्या होता है?

दूसरा जिज्ञासुः बिग बैंग....एक्सपेरिमेंट किया है जिनेवा में। ये वो जो इंस्ट्रूमेन्ट वो लोग बनाया और उसमें ....किया है जो ब्रह्माण्ड का जो इतिहास निकलेगा। वैज्ञानिक लोग इंस्ट्रूमेन्ट निकला है बिग बैंग उसमें सारा ब्रह्माण्ड का इतिहास उससे उन लोग निकलेगा ऐसा बताया।

बाबाः क्या निकलेगा?

दूसरा जिज्ञासुः ब्रह्माण्ड का इतिहास निकलेगा ऐसा बताया।....पृथ्वी का गर्भ में 28 कि.मि. का बोरिंग करके.....।

बाबाः अरे अनुमान ही तो लगाया है।

जिज्ञासुः अनुमान नहीं बाबा, दिखा रहा है।

Time: 38.35-43.05
Student: Baba, whatever the scientists are preparing now… it is being shown on the TV now…when we start to tell anyone about the destruction, they say: when a new world is being established, how will the destruction take place? Everyone laughs [on hearing this]... it is being shown on the TV now. Scientists have dug up the earth and fixed a machine…
Baba: What is there under the earth?
Second student: Big bang… they have conducted an experiment in Geneva. The instrument that those people have prepared… it will bring out the history of the universe. Scientists have created the instrument big bang that will bring out the history of the entire universe.
Baba: What will emerge?
Second student: The history of the universe…By digging up to 28 kilometers deep in the earth…..
Baba: They have only made an assumption.
Student: It is not a guess Baba; they are showing it.

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः अनुमान नहीं लगाया है तो फिक्स बताएं कि ये सारी सृष्टि कितने साल की है?
दूसरा जिज्ञासुः वो मशीन से पता लगेगा इसलिए लगाया।
बाबाः तो अनुमान ही तो हुआ ना। अनुमान से नुकसान होता है। (जिज्ञासु - हाँ, जी।) पब्लिक का नुकसान हो जावेगा। मानवीय जेनेरेशन का नुकसान हो जावेगा। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) अभी जो एटम बम बना के रखे हैं वो जब अंत में विस्फोट होंगे तो क्या बचेगा? पृथ्वी का बैलेंस ही डोल जावेगा। बैलेंस डोलेगा तो बड़े-बड़े भूकम्प आवेंगे। जो मल्टी स्टोरीज़ बना-बना के रखी हैं वो सब धराशायी हो जाएंगे। कितने लोग रहते हैं मल्टी स्टोरीज़ में। दुनिया का बड़ा विनाश होगा भूकम्प से। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) क्या बात चल रही है?
जिज्ञासुः मतलब जो खोद रहा है वो भी तो विनाश की रास्ता दिखा रहा है वो।....
बाबाः एक होता है आविष्कार करके कोई बात निकालना। जैसे छोटे-छोटे बच्चे होते हैं करके फिर सीखते हैं। और एक बुज़ुर्ग होता है। वो अनुभवी होता है। पहले से ही बता देता है बच्चे को। ये आग है, इसको छुओगे तो जल जाओगे। बच्चा नहीं मानता। आग में जबरदस्ती उंगली डालता है। एक्सपेरिमेंट करता है। तो क्या अच्छा है? ये भगवान बाप है बुज़ुर्ग। बुज़ुर्गों का बुज़ुर्ग है। उसकी बात पर विश्वास न करके औरों-औरों की बातें सुनने में लगे रहेंगे तो टाइम वेस्ट हो जावेगा। मिलेगा कुछ भी नहीं।

Baba: If they haven't made an assumption then they should tell in a fixed way: how old is this entire world.
Second student: It will be known through the machine; that is why they have installed it.
Baba: So, it is only an assumption, isn't it? Assumption (*anumaan*) brings harm. (Student: Yes.) It will bring harm to the *public*. It will bring harm to *the* human *generation*. (Student said something.) What will be left when the atom bombs that have been prepared are exploded in the end? The very *balance* of the earth will be imbalanced. When imbalance occurs, big earthquakes will occur. All the multistoried [buildings] that have been built will collapse. So many people live in multistoried [buildings]. Major destruction of the world will take place through earthquake. (Student said something.) What topic is going on?
Student: I mean to say that whatever they are digging, they too are showing the path for destruction…
Baba: One thing is to create something new through invention. For example, there are small children; they do [something] and then learn [from it]. And there is an elderly person. He is experienced. He tells the child beforehand: This is fire. If you touch it you will be burnt. [But] the child does not believe. He deliberately puts his finger in fire. He performs experiment. So, what is better? This God the Father is an elderly person (*buzurg*). He is the eldest among the elderly persons. If you do not believe His words and remain busy in listening to others, your time will go to waste and you will not get anything.

समयः 43.20-48.50

जिज्ञासुः बाबा, 431 कैसेट में सुना बाबा अंत में सारा दुनिया घूमेंगे, सारा दुनिया घूमेंगे। बच्चे बुलाएंगे, सारा दुनिया घूमेंगे और माउंट आबू में जब चले जाएंगे, वहाँ से फिर निकलेंगे नहीं।

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः क्या नहीं निकलेंगे?

जिज्ञासुः बाबा एक बार जब जाएंगे माउंट आबू वहाँ से नहीं निकलेंगे।

बाबाः ये कोई बात नहीं। तप कर राज, राज कर नरका। अगर तपस्या ही करते रहेंगे और विश्व की सेवा में नहीं निकलेंगे तो विश्व का कल्याण हो जावेगा?

दूसरा जिज्ञासुः जो विश्वनाथ है, वो सारा विश्व में नहीं जाएंगे?

बाबाः विश्वपिता है और एक भारत माता है। माता घर संभालती है और बाप बाहर संभालता है। तो विश्व हो गया बाहर। विदेशी बाप को प्रत्यक्ष करेंगे या भारतीय बाप को प्रत्यक्ष करेंगे? (जिज्ञासु - विदेशी।) प्रत्यक्ष तो तब करेंगे जब उन्होंने कुछ जाना होगा, पहचाना होगा। संसर्ग-संपर्क में भी आए होंगे। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) शिव बाप को और शिवबाबा को। जब हम कहते हैं शिवबाबा तो बाबा में शिव समाया हुआ है या नहीं है? (जिज्ञासु - है।) शिव बिन्दु को अलग कर दो। शिवबाबा रहेगा या शव हो जाएगा? फिर तो वो मुर्दा हो जाएगा।

Time: 43.20-48.50

Student: Baba, I heard in cassette no. 431 that Baba will travel all around the world in the end; children will call [Him]. He will travel all around the world. And when He goes to Mount Abu, He will not go out [to any place] from there.

Baba: What will not go out?

Student: Baba. When He goes to Mount Abu once, He will not go out from there.

Baba: It is not so. *Tap kar raaj, raaj kar narkaa* (the one who does *tapasyaa*, achieves kingship; [when he] misuses kingship, he goes to hell). If you just keep doing *tapasyaa* and don't go out for the service of the world, then will the benefit of the world be brought?

Second student: Will Vishwanath (Controller of the world) not go in the entire world?

Baba: There is one World Father and there is one Mother India. The Mother takes care of the house and the Father takes care of the outside world. So, *vishwa* means outside [the house]. Will the *videshis* reveal the Father or will the Indians reveal the Father? (Student: The *videshis*.) They will reveal [Him] only when they have realized something, when they have recognized Him, when they will have also come in contact and connection [with Him]. (Student said something.) The Father Shiva and Shivbaba; when we say Shivbaba, is Shiva present in Baba or not? (Student: He is.) Separate the point Shiva; will He remain Shivbaba or *Shav* (a corpse)? Then He will become a corpse.

जिज्ञासुः लेकिन बाबा ने बोला शिवबाबा का याद 5000 वर्ष चलता है। याद मे स्थिति।

बाबाः 5000 वर्ष याद कहाँ से चलेगी जब पहचान भी नहीं है। 5000 वर्ष में बाप की पहचान होती है? जब पहचान ही नहीं तो याद कहाँ से चलेगी? (जिज्ञासु : लेकिन ये संस्कार ले जाते है ना।) पावर चलती है। जिसने जितना यहाँ संगमयुग में याद की पावर भर ली वो पावर काम करेगी। जैसे कोई बैटरी होती है, आजकल छोटे-छोटे सैल ऐसे चले हैं। लम्बे समय तक चलते हैं। घड़ी का बटन इतना छोटा होता है और वर्षों काम करता है। ऐसे ही ये आत्मा रूपी बैटरीज़ हैं। इन बैटरीज़ ने साकार में आए हुए निराकार बाप को पहचान करके संसर्ग-संपर्क संबंध जोड़करके अपनी आत्मा में पावर भर ली। जितनी जास्ती पावर भरी उतने लंबे समय तक वो पावर काम करती रहेगी। जन्म-जन्मान्तर काम करेगी। सबसे जास्ती संग का रंग

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

साकार बाप के साथ किसको लगता है? हँ? जगदम्बा को लगता भी है फिर बिछुड़ता भी है कि नहीं? बिछुड़ता है तो घाटा होता है कि नहीं? (जिज्ञासु - होता है।) ऐसा कौन है जिसका लगता है फिर बिछुड़ता ही नहीं? हँ? (जिज्ञासु - वैष्णवी देवी।) वो संग का रंग ऐसा है कि जो कभी डिस्चार्ज ही नहीं होती बैटरी। प्यूरिटी की पावर भरती है तो जन्म-जन्मान्तर काम करती है। वरहूं शंभू न तु रहहूँ कुंवारी। ये पावर अंत तक कार्य करती रहती है। प्यूरिटी से दुनिया के सारे काम होते हैं।

Student: But Baba has said that Shivbaba's remembrance, the stage of remembrance continues for 5000 years.
Baba: How will the remembrance continue for 5000 years when they have not recognized [Him] at all? Do we recognize (*pehchaan*) the Father in the 5000 years? When we don't recognize [Him] at all, how will the remembrance continue? (Student: But we take the *sanskaars*, don't we?) The *power* continues. The more someone fills himself with the *power* of remembrance here, in the Confluence Age; that *power* will work there (in the 5000 years). For example, there is a *battery*; now-a-days there are small cells. They work for long periods. The *button* [cell] of a watch is so small and works for many years. Similarly these are *batteries* in the form of soul. The *batteries* that recognized the incorporeal Father who has come in the corporeal one and filled their soul with *power* by establishing contact and connection with Him, the more *power* they filled in themselves, the longer that *power* will work. It will work for many births. Who gets coloured by the company of the corporeal Father the most? Jagdamba gets coloured by the company, but does it also get removed or not? When it is removed, does she suffer a loss or not? (Student: She does.) Who is the one on whom [the colour of the company] is never removed once it is applied? (Student: Vaishnavi Devi.) She gets coloured by the company in such a way that the *battery* does not *discharg* at all. When the *power* of *purity* is filled [in her once], it works for many births. *Varau Shambhu na to rahu kunwaari* (I will either marry Shambhu[10] or remain a virgin.) This *power* works till the end. All the tasks of the world are performed through *purity*.

समयः 48.59-50.00

जिज्ञासुः बाबा, अष्ट देव् के लिए बोला गया कि 84 जन्म बाप के साथी होंगे।
बाबाः साथ तो होंगे लेकिन अभी जो साथ हैं उनको निश्चय-अनिश्चय का चक्र आता है या नहीं आता है? हँ? (जिज्ञासु - आता है।) आता है। और लक्ष्मी को जब निश्चय हो जाएगा पार्ट का तो अनिश्चय आवेगा या नहीं आवेगा? (जिज्ञासु - नहीं आवेगा।) नहीं आवेगा। तो अष्ट देवों की प्राप्ति में और लक्ष्मी की सुख की प्राप्ति में जन्म-जन्मान्तर जो प्राप्ति होगी उसमें अंतर पड़ेगा या नहीं पड़ेगा? पड़ जावेगा। प्योरिटी से ही सुख-शान्ति होती है, प्रासपेरिटी होती है।

[10] a name of Shakar

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Time: 48.59-50.00
Student: Baba, it has been said for the eight deities that they will remain companions of the Father for 84 births.
Baba: They will be together but do those who are together now pass through the cycle of faith and doubt or not? (Student: They do.) They do. And when Lakshmi has faith on her *part*, will she lose faith or not? (Student: She will not.) She will not. So, will there be a difference between the attainment of the eight deities and the attainment of happiness of Lakshmi, for many births, or not? There will be. Purity alone brings happiness, peace and *prosperity*.

समयः 50.14-54.10

जिज्ञासुः बाबा, माउंट आबू का जो तलहटी है उसको खरीद करेंगे या सिर्फ उपर मे...।
बाबाः तलहटी में पहाड़ है या मैदान है? (जिज्ञासु - मैदान है।) पहाड़ जो है वो ग्रेनाइट पत्थर का बना हुआ है। और एक ही पत्थर का बना हुआ है। त्रेता के अंत में जो अर्ध विनाश हुआ है उस अर्ध विनाश में ऐसा बड़ा विस्फोट हुआ है ज्वालामुखी फूटा है जिस ज्वालामुखी से गहरा ग्रेनाईट पत्थर तैयार हो गया। वो दुनिया का सबसे गहरा पहाड़ है। हिमालय पहाड़ है सबसे ऊँचा पहाड़ लेकिन उतना गहरा नहीं है। और माउंट आबू? दुनिया का सबसे गहरा पहाड़ है। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।)

Time: 50.14-54.10
Student: Baba, will [the land of] *talheti* (low land beneath the mountains) in Mount Abu be purchased or will only the land on the top...
Baba: Is there mountain or plain area in the *talheti*? (Student: There are plains.) The mountain is made of *granite* stone. And it is made of a single stone. At the time of the semi-destruction that took place in the end of the Silver Age, such a big explosion took place, such a volcano erupted that a deep *granite* stone was prepared. It is the deepest mountain (has a deep foundation) of the world. Himalaya is the highest mountain, but it is not so deep. And what about Mount Abu? It is the deepest mountain. (Student said something.)

आबू पर्वत ज्यादा ऊँचा नहीं है। हिमालय पहाड़ की एवरेस्ट की चोटी बहुत ऊँची है। कई गुना ऊँची है आबू पहाड़ के मुकाबले। गुरु शिखर के मुकाबले। इसलिए दुनिया में बड़े-बड़े भूकम्प आएंगे। उन भूकम्पों में सारी दुनिया हिलेगी लेकिन इस पहाड़ पर कोई असर ज्यादा नहीं होगा। और आखरी विनाश होगा तब तो ये भी खलास हो जावेगा।

Mount Abu is not very high. The peak of Everest in the Himalayas is very high. It is many times higher when compared to Mount Abu, when compared to Guru Shikhar (the highest peak in Mount Abu). This is why big earthquakes will occur in the world. The entire world will shake because of those earthquakes, but there will not be much effect on this mountain (of Mount Abu). And when the last destruction takes place then this [mountain] will also perish.

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः तो हम लोग नीचे आ जाएंगे। ☺
बाबाः पहले ही आ जाना ना।
जिज्ञासुः जो विनाश होगा अंत मे, सतयुग स्थापन होगा तब माउंट आबू विनाश होगा ना।
बाबाः विजयमाला में रुद्रमाला के मणके एड किये जाएंगे तो विजयमाला को लम्बे समय तक तपस्या करनी पड़ेगी या रुद्र माला के मणकों को लम्बे समय तक तपस्या करनी पड़ेगी? (जिज्ञासु - रुद्र माला।) ज्यादा पापियों की माला कौनसी है? (जिज्ञासु - रुद्र माला।) और उन पापियों में जो जास्ती योगबल वाले होंगे वो मणके विजयमाला में पहले पिरोए जाएंगे। तो पहले ही ट्रांसफर हो जाना अच्छा है या बाद में नंबर लगाना अच्छा है?

Student: Then we will come down. ☺
Baba: Come beforehand, will you not?
Student: When the destruction takes place in the end, the Golden Age is established, it is then that Mount Abu will be destroyed, isn't it?
Baba: When the beads of the *Rudramaalaa* are added to the *Vijaymaalaa* then will the *Vijaymaalaa* have to do *tapasyaa* for a long period or will the beads of *Rudramaalaa* have to do *tapasyaa* for a long period? (Student: The beads of *Rudramaalaa*.) Which rosary is a rosary of big sinners? (Student: The *Rudramaalaa.*) And those with more power of *yog* among those sinners will be threaded into the *Vijaymaalaa* first. So, is it good to be transferred beforehand or is it good to come in a queue later on? (Concluded)

Email: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info